प्रेस विज्ञप्ति

आतंकवाद एक वैचारिक विकृति है... गौरीशंकर अग्रवाल

रायपुर, 04 अगस्त 2014: विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि आतंकवाद एक वैचारिक विकृति है। सारे विश्व में आतंकवाद एक नासूर की तरह उभर रहा है। आतंकवाद पर जो संसाधन खर्च हो रहा है उसे यदि सही कार्यों में लगा दिया जाए तो समाज का उत्थान हो सकता है।

श्री अग्रवाल प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चौबे कालोनी स्थित सेवाकेन्द्र में आयोजित मासिक व्याख्यानमाला ज्ञानांजलि के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित कर रहे थे। विषय था– आतंकवाद सबसे बड़ी चुनौती। ज्ञानांजलि कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को सायं 6.30 बजे किया जाएगा।

श्री गौरीशंकर अग्रवाल ने आगे कहा कि पहले समाज में धन की आवश्यकता थी लेकिन धन ही सब कुछ नहीं था। मनुष्य का सम्मान उसके कार्यों के आधार पर होता था। उसके अच्छे कर्मों से समाज को दिशा मिलती थी। लोगों में मानवीय मूल्य जीवित थे। घर में बच्चा होता था तो उसे यह नहीं बतलाना पड़ता था कि सच बोलना चाहिए। हिंसा नहीं करना चाहिए। लेकिन वह बड़े बुजुर्गों को देखकर अपने आप ही सीख जाता था।

उन्होंने कहा कि हम अपनी शिक्षा और संस्कृति के कारण कभी विश्व गुरू हुआ करते थे। विश्व को एक परिवार की तरह मानकर सभी के सुख की कामना की जाती थी। लेकिन धीरे–धीरे षड़यंत्रपूर्वक हमारी संस्कृति को बदलने का प्रयास किया गया। अब समाज में मानवीय मूल्यों का पतन होने से लोगों में बढ़ रहा असन्तोष भी आतंकवाद का एक प्रमुख कारण है। जिसे समाप्त करने के लिए अध्यात्म के द्वारा लोगों का मनोपरिवर्तन करने की जरूरत है।

प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति शम्भूनाथ श्रीवास्तव ने कहा कि इस देश में रावण, कंस के रूप में पहले भी आतंकवादी पैदा होते रहे हैं किन्तु आध्यात्मिक शक्ति के बल पर हमेशा ही उन विध्वंसकारी ताकतों पर जीत मिली है। इस देश में अनेक आततायी आए और यहाँ राज्य किया लेकिन यह देश सदैव ही उन शक्तियों पर विजय पाने में सफल रहा है। यह अध्यात्म के बल पर ही सम्भव हो सका।

इन्दौर से पधारी मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक ब्रह्माकुमारी हेमलता बहन ने कहा कि आतंकवाद का प्रमुख कारण लोगों के अन्दर बढ़ रहा नकारात्मक आवेग है। मन में जब नफरत, घृणा और बैर भाव बढ़ जाता है तो वह हिंसा का रूप ले लेता है। इसका समाधान करने के लिए प्रेम, सद्भाव और सहिष्णुता जैसे दैवी गुणों की जरूरत है। उन्होंने बतलाया कि कैसे चम्बल के खूंखार डाकू पंचम सिंह का परिवर्तन राजयोग के द्वारा सम्भव हो पाया। मनोपरिवर्तन के कार्य में राजयोग मददगार सिद्ध हो सकता है।

लोक अभियोजन के महानिदेशक एम. डब्लू. अंसारी ने कहा कि समाज में बढ़ रही असमानता भी आतंकवाद का मुख्य कारण है। इसे दूर करने से आतंकवाद को खत्म करने में मदद मिल सकती है। समारोह को क्षेत्रीय प्रशासिका ब्रह्माकुमारी कमला दीदी ने भी सम्बोधित किया।

प्रेषक: प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, रायपुर